VAJIRAO & REDDY INSTITUTE
India's Top Potential Training Institute for IAS
+918171181080
+919068806410
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

TODAY'S ANALYSIS

(आज का विश्लेषण)

(19 September 2023)

Sources:

The Hindu, The Indian Express, The Economics Times & PIB

Important News:

- संसद के 'विशेष सत्र' का महत्व
- भारत अपनी 'स्वास्थ्य देखभाल' यात्रा में एक महत्वपूर्ण क्षण में है
- कर्नाटक का 'होयसल मंदिर' अब भारत का नवीनतम यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल

ADDRESS:
19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)

संसद के 'विशेष सत्र' का महत्व:

संदर्भ:

- **संसद का 'विशेष' पांच दिवसीय सत्र 18 सितंबर को शुरू हुआ**, सरकार ने विधायी एजेंडे का अनावरण करके लंबे समय से चल रहे सस्पेंस को समाप्त कर दिया।

- हालांकि **संविधान में विशेष सत्र से संबंधित कोई विशिष्ट प्रावधान नहीं है, अतीत में ऐसे कुछ सत्र बुलाए गए हैं**। सबसे हालिया उदाहरण **जून 2017 में था जब पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने माल और सेवा कर (GST) को लागू करने के लिए एक विशेष सत्र आयोजित किया** था।

+918171181080
+919068806410
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

संविधान के अनुसार संसद कब बुलाई जाती है?

- **संविधान का अनुच्छेद-85 संसद के सत्रावसान और विघटन से संबंधित** है। **हालांकि कोई निश्चित कार्यक्रम नहीं है**, लेकिन इस अनुच्छेद के प्रावधान निर्दिष्ट करते हैं कि **राष्ट्रपति को छह महीने के भीतर कम से कम एक बार सदन की बैठक बुलानी होगी**।
- **राष्ट्रपति समय-समय पर संसद के प्रत्येक सदन को ऐसे समय और स्थान पर बैठक के लिए बुलाएगा जैसा वह उचित समझे**, लेकिन एक सत्र में इसकी अंतिम बैठक और अगले सत्र में इसकी पहली बैठक के लिए नियुक्त तिथि के बीच **छह महीने का अंतर नहीं होगा।**
- इस **प्रावधान की जड़ें भारत सरकार अधिनियम, 1935 में हैं, जिसके अनुसार दो सत्रों के बीच 12 महीने से अधिक नहीं होना** चाहिए।

क्या कोई निश्चित समय सारिणी है?

- हालाँकि **संविधान निश्चित संख्या में सत्र या बैठक के दिनों का प्रावधान नहीं करता** है, लेकिन **आम तौर पर प्रत्येक कैलेंडर वर्ष में तीन सत्र आयोजित किए जाते** हैं - **बजट, मानसून और शीतकालीन सत्र**।
- गौरतलब है कि **1955 में एक निश्चित कैलेंडर को अंतिम रूप देने का प्रयास किया गया था**।
- **लोकसभा की सामान्य प्रयोजन समिति ने 22 अप्रैल 1955 को हुई अपनी बैठक** में सिफारिश की कि **बजट सत्र फरवरी और मई के बीच, मानसून सत्र जुलाई से सितंबर के बीच और शीतकालीन सत्र नवंबर से दिसंबर के बीच आयोजित किया** जाए।

- **जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व वाली कैबिनेट भी इस सिफ़ारिश पर सहमत हुई, लेकिन इसे कभी लागू नहीं किया गया।**
- तब से, **तारीखों में फेरबदल किया गया है, और सरकार के विधायी एजेंडे के अनुसार अवधि भी भिन्न है।**
- **बजट सत्र आमतौर पर सबसे लंबा होता है। यह जनवरी के अंत में शुरू होता है, अप्रैल के अंत तक समाप्त होता है** और इसमें **बजट पर विचार करने के लिए संसदीय स्थायी समितियों के लिए एक अवकाश** भी शामिल होता है। **इसके बाद मानसून सत्र होता है जो जुलाई में शुरू होता है और अगस्त में समाप्त होता** है। **शीतकालीन सत्र आमतौर पर नवंबर से दिसंबर तक आयोजित किया** जाता है।
- **केंद्र सरकार के पास सत्र बुलाने का अधिकार है,** और **संसदीय मामलों की कैबिनेट समिति (CCPA) बैठकों की तारीख और संख्या निर्धारित** करती है।
- सत्र कार्यक्रम को अंतिम रूप देने के बाद, **राष्ट्रपति संसद सदस्यों को आगामी सत्र के लिए बुलाने का आह्वान करते हैं।**

'विशेष सत्र' कब आयोजित किया जाता है?

- **'विशेष सत्र' शब्द का संविधान या संसद के दोनों सदनों की नियम पुस्तिकाओं में स्पष्ट रूप से उल्लेख नहीं किया गया** है। ऐसा **सत्र कैसे और कब बुलाया जा सकता है, इस पर कोई विशेष दिशा-निर्देश नहीं हैं।**

- हालांकि, **अनुच्छेद 352, जो आपातकाल की घोषणा से संबंधित है, सदन की 'विशेष बैठक' को संदर्भित** करता है। यह तत्व 1978 **में 44वें संशोधन अधिनियम के माध्यम से जोड़ा गया था**, जिसमें **आपातकाल के खिलाफ सुरक्षा उपाय शामिल** थे।
- किसी **विशेष उद्देश्य या एजेंडे के लिए, या राष्ट्रीय महत्व के अवसरों को चिह्नित करने के लिए आधी रात के सत्र समेत कई विशेष सत्र बुलाए गए** हैं।

ऐतिहासिक मिसाल:

- इस तरह की **पहली बैठक 1947 में स्वतंत्रता की पूर्व संध्या पर ब्रिटिशों से भारत में सत्ता के हस्तांतरण को चिह्नित करने के लिए आयोजित की गई** थी। इसके बाद **1962 में भारत-चीन युद्ध** के दौरान एक विशेष सत्र आयोजित किया गया था
- सरकार ने **स्वतंत्रता के 25 वर्ष** पूरे होने के उपलक्ष्य में **अगस्त 1972** में एक बैठक बुलाई। **1992 में, भारत छोड़ो आंदोलन की 50वीं वर्षगांठ** मनाने के लिए मध्यरात्रि सत्र बुलाया गया था।
- कुछ साल बाद, **अगस्त 1997 में, आजादी के 50 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में छह दिवसीय विशेष सत्र बुलाया** गया।

भारत अपनी 'स्वास्थ्य देखभाल' यात्रा में एक महत्वपूर्ण क्षण में है:

संदर्भ:

- पिछले कुछ वर्षों में, **भारत लगातार विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर एक मजबूत आवाज बन गया है।** चाहे वह जलवायु परिवर्तन हो, विद्युतीकरण हो, या अंतरिक्ष की दौड़ हो, भारत सबसे आगे है और बदलाव का नेतृत्व भी कर रहा है।

- यह हाल ही में इतना स्पष्ट कभी नहीं हुआ जब भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास एक मिशन को सफलतापूर्वक पूरा करने वाला पहला देश बन गया और एक बहुत ही सफल G-20 अध्यक्षता का समापन किया, जिससे कई प्रमुख मुद्दों पर वैश्विक सहमति को बढ़ावा मिला।

+918171181080
+919068806410
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

'आयु कर' से बचने के लिए गैर-संचारी बीमारियों (NCD) मुक्त भारत बनाना होगा:

- एक नए भारत को उभरते हुए देखना सुखद है - एक ऐसा भारत जो महत्वाकांक्षी है; एक ऐसा भारत जो वैश्विक नेता बनने की अपनी नियति में विश्वास करता है।
- हालांकि, **यह वही भारत है जो अब विश्व की मधुमेह राजधानी है**; इसके अलावा, **लाखों लोगों को उच्च रक्तचाप है, और इसके युवा दिल के दौरे, कैंसर, श्वसन संबंधी समस्याओं, अवसाद और अन्य बीमारियों का शिकार हो रहे** हैं।
- इस स्थिति को **यदि अनियंत्रित छोड़ दिया गया, तो भारत पर 'गैर-संचारी बीमारियों (NCD)' का बोझ 2030 तक लगभग 4 ट्रिलियन डॉलर होगा**। यह भारत के विकास के लिए **सबसे बड़ी बाधाओं में से एक है और भारत के जनसांख्यिकीय लाभांश पर 'आयु कर' लगाएगा**।
- **गैर-संचारी बीमारियों (NCD):**
  - ➢ उल्लेखनीय है कि **गैर-संचारी रोग, के अंतर्गत वह रोग आते है, जोकि एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में सीधे प्रसारित नहीं होते** है।
  - ➢ गैर-संचारी रोगों में ***पार्किंसन रोग, स्वप्रतिरक्षित रोग, स्ट्रोक, अधिकांश हृदय रोग, अधिकांश कर्कट रोग, मधुमेह, गुर्दे की पुरानी बीमारी, अस्थिसंध्यार्ति, ऑस्टियोपोरोसिस, अल्जाइमर रोग, मोतियाबिंद*** **और अन्य शामिल** हैं।

+918171181080
+919068806410
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

- हमें इसे **रोकने के लिए मिलकर और तत्परता से कार्य करना चाहिए अन्यथा भारत का दशक खोए हुए अवसरों की पीढ़ी में बदल सकता है।**

भारत को वैश्विक चिकित्सा पर्यटन के हॉटस्पॉट के रूप में बदलने के लिए प्रयास:

- इसके लिए **स्वास्थ्य देखभाल उद्योग का आपस में हाथ मिलाने** और जागरूकता को बढ़ाकर, बेहतर जीवनशैली विकल्पों की वकालत करके एवं **व्यापक स्वास्थ्य जांच को सक्षम करने, जिसमें केवल रक्त परीक्षण के बजाय उचित स्कैन शामिल** हैं भारत को इस खतरे से बचाने की जरूरत।
- आज, **भारत के पास अतुलनीय नैदानिक प्रतिभा के साथ विश्व स्तरीय स्वास्थ्य देखभाल बुनियादी ढांचा है जो अत्यंत विशाल पैमाने पर और वैश्विक कीमत के एक अंश पर सर्वोत्तम श्रेणी के नैदानिक परिणाम प्रदान** करता है।
- अंग प्रत्यारोपण, कार्डियोलॉजी, ऑन्कोलॉजी और अन्य जैसे **अत्यधिक विशिष्ट क्षेत्रों में भारत की विशेषज्ञता ने देश को चिकित्सा पर्यटन के लिए तेजी से बढ़ने वाला गंतव्य बना दिया है**, न केवल की कीमत के लिए बल्कि पहुंच की गति और उत्कृष्ट देखभाल गुणवत्ता के लिए भी।

मेडिकल हब के रूप में, AI समाधानों में संभावनाएं:

- भारत विशेष रूप से **ऑन्कोलॉजी, ऑर्थोपेडिक और रोबोटिक सर्जरी के क्षेत्र में वैश्विक चिकित्सा पर्यटन केंद्र के रूप में उभरा** है।

- इस **यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर प्रोटॉन बीम थेरेपी तकनीक की शुरुआत है, जिसने भारत को कैंसर उपचार में क्षेत्रीय नेता बना दिया** है।
- विश्वस्तरीय चिकित्सा विशेषज्ञता, अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे और लागत प्रभावी देखभाल के लिए दुनिया भर से मरीज भारत की ओर आकर्षित होते हैं।
- **रोबोटिक सर्जरी ने भी लोकप्रियता हासिल की है क्योंकि भारत के अस्पतालों ने सटीक और तेजी से रिकवरी के लिए रोबोट-सहायता वाली तकनीकों** को अपनाया है।
- **चिकित्सा पर्यटन रोजगार सृजन के साथ-साथ विदेशी मुद्रा अर्जित करने की अपनी क्षमता को देखते हुए रणनीतिक महत्व प्राप्त कर रहा** है। जबकि भारत पहले से ही विदेश में देखभाल चाहने वाले रोगियों के लिए अग्रणी स्थलों में से एक है, **विकास के लिए पर्याप्त संभावनाएं हैं।**
- इसके अलावा, **इस दृष्टिकोण को साकार करने के लिए सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना महत्वपूर्ण है**। सार्वजनिक-निजी भागीदारी **बुनियादी ढांचे में संयुक्त रूप से निवेश करके, चिकित्सा पर्यटन को बढ़ावा देने** और अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य देखभाल मान्यता निकायों की स्थापना करके चिकित्सा पर्यटन के लिए अनुकूल माहौल बनाने में मदद कर सकती है।

स्वास्थ्य देखभाल के लिए AI अनुप्रयोग:

- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) **दुनिया भर में स्वास्थ्य देखभाल में तेजी से बदलाव ला रहा है और भारत में इस क्रांति में सबसे आगे रहने की क्षमता** है।

- देश में प्रतिभाशाली डेटा वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों का एक विशाल समूह है जो एआई-संचालित स्वास्थ्य देखभाल समाधानों में नवाचार को बढ़ावा दे सकते हैं।
- उन **प्रमुख क्षेत्रों में से एक जहां एआई महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकता है वह निदान** है। **एआई-संचालित उपकरण चिकित्सा निदान की सटीकता और दक्षता को बढ़ा सकते हैं**, जिससे **तेजी से उपचार निर्णय और बेहतर रोगी परिणाम** प्राप्त हो सकते हैं।
- इसके अतिरिक्त, **एआई बीमारी के प्रकोप की भविष्यवाणी करने, स्वास्थ्य देखभाल डेटा का विश्लेषण करने और उपचार योजनाओं को अनुकूलित करने**, स्वास्थ्य देखभाल प्रक्रियाओं में तेजी लाने और दवा की खोज में क्रांति लाने में मदद कर सकता है, **जिससे अंततः स्वास्थ्य देखभाल अधिक व्यक्तिगत और प्रभावी हो सकती है।**

स्वास्थ्य क्षेत्र में AI अनुप्रयोग को बेहतर बनाने के लिए क्या किया जाना चाहिए?

- भारत ने स्वास्थ्य देखभाल के लिए एआई अनुप्रयोगों में पहले ही प्रगति कर ली है, लेकिन **इसे अनुसंधान और विकास में निवेश करना जारी रखना चाहिए, शिक्षा और उद्योग के बीच सहयोग को बढ़ावा देना चाहिए और एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र बनाना चाहिए जो नवाचार को प्रोत्साहित** करे।

- ऐसा **करने से भारत एआई-संचालित स्वास्थ्य देखभाल समाधानों में एक वैश्विक नेता के रूप में स्थापित हो सकता है**, जो दुनिया भर में स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों को लाभ पहुंचाने के लिए अपनी विशेषज्ञता का निर्यात कर सकता है।

आगे का रास्ता:

- भारत **अपनी स्वास्थ्य देखभाल यात्रा में एक महत्वपूर्ण क्षण पर खड़ा** है। अपने स्वास्थ्य देखभाल मॉडल की पुनर्कल्पना करके, **देश खुद को चिकित्सा मूल्य यात्रा के लिए वैश्विक गंतव्य,** एआई-संचालित स्वास्थ्य देखभाल समाधानों में एक पावरहाउस और **NCD से निपटने में अग्रणी के रूप में स्थापित कर सकता** है।
- इस दृष्टिकोण को प्राप्त करने के लिए, **भारत को सामुदायिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देनी चाहिए, सार्वजनिक-निजी भागीदारी को बढ़ावा देना चाहिए** और **नवाचार और अनुसंधान में निवेश करना** चाहिए। ठोस प्रयासों और उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता के साथ, **आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ और अधिक समृद्ध भारत का निर्माण किया जा सकता** है।

+918171181080
+919068806410
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

कर्नाटक का 'होयसल मंदिर' अब भारत का नवीनतम यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल:

चर्चा में क्यों है?

- **कर्नाटक में 'होयसल के पवित्र मंदिर समूह' – बेलूर, हलेबिड और सोमनाथपुरा के होयसल मंदिरों को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया है।**
- यह निर्णय **सऊदी अरब के रियाद में जारी विश्व धरोहर समिति के 45वें** सत्र के दौरान लिया गया।

- यह **समावेशन भारत में 42वें यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल का प्रतीक है और रवीन्द्रनाथ टैगोर के शांतिनिकेतन को भी यह विशिष्ट मान्यता मिलने** के ठीक एक दिन बाद आया है।

- होयसल के पवित्र मंदिर समूह **साल 2022 के लिए भारत की तरफ से विशाल मंदिरों को यूनेस्को में शामिल करने के लिए मनोनीत किया गया** था। होयसल के पवित्र मंदिर समूह' **यूनेस्को की संभावित सूची में अप्रैल, 2014 से ही शामिल** थे
- यूनेस्को की सूची में शामिल होने के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने बधाई दी है।

क्या है होयसल के मंदिर समूह का इतिहास और महत्व?

- होसयल के पवित्र मंदिर **समूह बेलूर, हलेबिड और सोमनाथपुरा में स्थित** है। **होयसल राजवंश की यह कभी राजधानी थी**। इस **राजवंश को कला और साहित्य के संरक्षक माना जाता** है।
- **भगवान शिव को समर्पित होयसल मंदिर का निर्माण 1150 ईस्वी में होयसल राजा द्वारा काले शिष्ट पत्थर से बनवाया गया** था। मंदिर में हिंदू धर्म से संबंधित देवी देवताओं के चित्रों, मूर्तियों को उकेरा गया है।
- कर्नाटक के सोमनाथपुरा में **चेन्नेकेशवा मंदिर नरसिम्हा III की देखरेख में 1268 ईस्वी के आसपास बनाया गया था**। कर्नाटक के हसन जिले के **बेलूर में केशव मंदिर विष्णुवर्धन द्वारा निर्मित किया गया है**।
- इन **मंदिरों की शैली न ही पूरी तरह से द्रविड़ और न ही पूरी तरह से नागर है**। ऐसे में **इसकी अनूठी शैली में निर्माण किया गया** है।

VAJIRAO & REDDY INSTITUTE
India's Top Potential Training Institute for IAS
+918171181080
+919068806410
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

किसी स्थल को विश्व धरोहर सूची में सूचीबद्ध होने का, क्या मायने होता है?

- यूनेस्को के अनुसार, **जब कोई देश विश्व धरोहर सम्मेलन का हस्ताक्षरकर्ता बन जाता है और उसके स्थलों को विश्व धरोहर सूची में शामिल किया जाता** है, तो इससे अक्सर **उसके नागरिकों और सरकार दोनों के बीच विरासत संरक्षण के लिए मान्यता और प्रशंसा बढ़** जाती है।
- इसके अलावा, **देश इन बहुमूल्य स्थलों की सुरक्षा के उद्देश्य** से प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए **विश्व धरोहर समिति से वित्तीय सहायता और विशेषज्ञ मार्गदर्शन** का लाभ उठा सकता है।

ADDRESS:
19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)